दैनिक भास्कर
भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह
कुल पृष्ठ 12+8+20 मूल्य ₹ 3.00
www.bhaskarhindi.com
सोमवार

बंदिशों और तरानों का चला जादू

» कत्थक नृत्य नाटिका की प्रस्तुति

वुमन भास्कर | नागपुर

बंदिशों का चला जादू ठिठुरी हवाओं में संगीत घुल सा गया, कुछ ऐसा ही नजारा रहा मुक्तांगन में कत्थक प्रस्तुति का। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं इंडिया डांस स्कूल शिकागो के संयुक्त तत्वावधान में शिकागो से नागपुर तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत कत्थक नृत्य नाटिका का आयोजन केंद्र के मुक्तांगण में हुआ।

गौरी जोग और पुत्री कुमारी ईशा जोग के साथ कत्थक नृत्य की प्रस्तुती की। केंद्र निदेशक डॉ. रवीन्द्र कुमार सिंगल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संगीत की मधुर धुनों पर गीत से शुरू हुआ कत्थक का सफर देर तलक जारी रहा। गत, ख्याल और बंदिशों पर अपनी मजबूत पकड़ दिखाते हुए नृत्यांगनाओं ने माहौल को कत्थकमयी कर दिया। कत्थक प्रस्तुति से दर्शकों को बांधे रखा। दोनों ने तराना में तबले की थाप पर घुंघरुओं की झंकार से लुभाया और एक-दूसरे को टक्कर देते हुए माहौल में जोश भरा। रविवार को दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र नागपुर और इंडिया डांस स्कूल शिकागो ओर से आयोजित समारोह की शुरुआत उद्घाटन से हुई। रविवार कत्थक और शास्त्रीय संगीत विधाओं के नाम रहा। शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य की मोहक प्रस्तुति ने लोगों को खुश किया। नर्तकों की पेशकश को संगतकारों ने खास बनाया। परंपरागत कत्थक से शुरू पेशकश का सफर तराना पर थमा। ख्याल पर जब साज छेड़ा तो सर्द ठिठुरन भूल लोगों ने ध्यान से सुना। मंच शिकागो से आई गौरी जोग तथा

रंजना फडके कत्थक नृत्यांगना और नृत्य निर्देशिका भी हैं। वर्तमान में वह शिकागो में इंडियन डांस स्कूल चला रही है, जिसमें भारतीय नृत्य कत्थक को बढ़ावा एवं प्रसिद्धि दिलाने का कार्य कर रही हैं।